



राजस्थान राजपत्र
विशेषांक

RAJASTHAN GAZETTE
Extraordinary

साअधिकार प्रकाशित

Published by Authority

आश्विन 1, सोमवार, शके 1941-सितम्बर 23, 2019
Asvina 1, Monday, Saka 1941-September 23, 2019

भाग 6 (क)

नगरपालिकाओं संबंधी विज्ञप्तियां आदि।

**LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT
ORDER**

Jaipur September 09, 2019

F.10 (Elec) LSG/19/9556 .-In exercise of powers conferred under Section 6 and 10 of the Rajasthan Municipalities Act, 2009 and Rule 3 of Rajasthan Municipalities (Election) Rules, 1994 the Chief Municipal Officer Municipal Board Chhapar has sent draft order of the ward formation and objections received on draft order with his comments regarding Municipal Board Chhapar. After considering objections on the draft order of the ward formation, State Government agrees with comments of the Chief Municipal Officer and approves the draft order of ward formation as proposed by the Chief Municipal Officer .

By Order,
Ujjwal Rathore,
Joint Secretary to Government.

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, छापर (चूरु) राज०
प्रपत्र - "क"

वार्ड संख्या	वार्डों के सीमांकन का विवरण
01	रतनगढ़ रोड़ पर स्थित हमारा पम्प करण फिलिंग स्टेशन से राजीव गांधी पाठशाला भवन जो बन्द हो चुकी है को लेते हुये उत्तर की तरफ के नगरपालिका सीमा में स्थित मकानों भगवाना राम जाट दहिया होते हुए बेनाथा मार्ग पर स्थित दोनों तरफ के समस्त मकान राकेश नाई आदि के मकानों को लेते हुये पानी की टंकी से पूर्व की तरफ घुमते हुये पूर्वी तरफ चलते हुये सरदाराराम प्रजापत आदि की गली, आईस फेक्ट्री, रुस्तम ढाढ़ी के मकान व पूर्व दिशा की तरफ मांगीलाल जाट माली होते हुए प्रकाश सिहाग के मकान तक वहां से सीधे दक्षिण की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकानों को शामिल कर भीखाराम सिहाग की दूकान व मकान तक वहां से पूर्व की तरफ टर्न ले कर वापिस दक्षिण की तरफ घुमकर कोर्नर पर सोहन स्वामी के मकान व दूकान को शामिल कर सीधे दक्षिण की ओर चलते हुए पश्चिम के मकानों को शामिल करते हुए नानूराम लुहार के मकान तक वहाँ से वापिस पश्चिमी तरफ मुड़कर रतनगढ़ रोड़ पर चलते हुये उत्तर दिशा के समस्त मकान, विश्वकर्मा मंदिर शामिल करते हुये हमारा पम्प करण फिलिंग स्टेशन तक।

02	<p>रतनगढ़ रोड़ पर हॉंडा शो-रूम से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकानों को लेते हुये गोदारा धर्म काँटा के ठीक सामने दूसरी तरफ ट्रांसफार्मर से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तरी दिशा के मकानों व प्लॉटों को शामिल करते हुये सीधे आदर्श विद्या मन्दिर तक, वहां से रोड़ क्रॉस कर पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये ओशो पुस्तकालय को शामिल करते हुये पुरानी पॉस्ट ऑफिस तक, वहां से उत्तर दिशा में चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान भंवरलाल नाई आदि को सम्मिलित करते हुये शान्ति बाई सुराणा के मकान तक, वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलकर दक्षिणी दिशा के मकानों पतासी जाटनी, गोविन्दराम सी.आई. को शामिल करते हुये भंवर लाल सुथार के मकान तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा में रतनगढ़ रोड़ पर स्थित सुरजाराम खाती के खाली प्लॉट तक, वहाँ से रतनगढ़ रोड़ पर पश्चिम दिशा में चलते हुये बांयी साईड के मकानों को लेते हुये रतनगढ़ रोड़ पर हॉंडा शो-रूम तक।</p>
03	<p>रतनगढ़ रोड़ पर भरत नाई की होटल के उत्तरी दिशा में स्थित कॉर्नर के प्लॉट से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों भंवरदान चारण, मुन्नालाल डूडी से हेतराम सोनी के मकान को शामिल करते हुये श्रीराम शंकर गौशाला के उत्तर पूर्वी कोर्नर तक तथा वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलकर श्रीराम शंकर गौशाला को शामिल करते हुये बीदासर रोड़ तक, वहाँ से बीदासर रोड़ की तरफ चलते हुये उत्तर की तरफ के समस्त मकान व प्लोटों को शामिल करते हुए बीदासर रतनगढ़ रोड़ के तिराहे तक तथा वन विभाग के आगे व बीदासर रोड़ से दक्षिण की तरफ के समस्त मकान, प्लाट व श्मशान घाट को शामिल कर सादुलगढ़ बास में स्थित श्रीचंद भाकर के मकान से पश्चिम की तरफ चलते हुये दक्षिण की तरफ के मकान तिलाराम भाकर आदि को शामिल करते हुये फूलचंद प्रजापत को छोड़ते हुये दक्षिण की ओर चलते हुये पूर्व की तरफ स्थित ओम प्रकाश, जंवरीमल दर्जी के मकान को शामिल करते हुये पश्चिम की ओर चलकर दोनों तरफ के मकानों को शामिल करते हुये शिव मंदिर तक व सामने स्थित हेमराज प्रजापत के मकान को शामिल कर पश्चिम की तरफ चलते हुये दोनों तरफ के मकानों को शामिल कर दक्षिण दिशा में कोर्नर के मकान पुरखा राम गेदर को शामिल कर दक्षिण की तरफ चलकर दोनों तरफ के मकानों को शामिल करते हुये बिज्जू प्रजापत के मकान से पश्चिम की तरफ चलते हुये दोनों तरफ को शामिल करते हुये श्मशान घाट तक तथा वहाँ से सादुलगढ़ तालाब को शामिल करते हुये वापिस पूर्व दिशा में कन्हैयालाल भाकर के मकान से आगे जेठाराम भाकर के मकान तक, वहाँ से वापिस रतनगढ़ बीदासर तिराहे पर पहुँच कर उत्तर की तरफ चलते हुये पूर्व दिशा में स्थित प्लाटों को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर स्थित भरत नाई की होटल के उत्तरी दिशा में स्थित कॉर्नर के प्लॉट तक।</p>
	<p>आदर्श शिशु वाटिका से दक्षिणी तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकान तफरी घर को लेते हुये रामबाग व बल्लू खां के मकान को शामिल करते हुये बीदासर रोड़ को क्रोस कर वन विभाग को शामिल कर पूर्व की तरफ बराबर की सम्पूर्ण मास्टर कॉलोनी के मकानों को सम्मिलित करते हुये राजकीय सीनियर उच्च मा. वि., गान्धी सरोवर व जलदाय विभाग,</p>

04	नगरपालिका कार्यालय को शामिल करते हुये दक्षिण में चलते हुये पूर्व में छापर सुजानगढ़ सड़क पार करते हुये ओसिया माता मन्दिर शामिल कर पूरब दिशा की तरफ चलते हुये राधे पैलेस होटल तक, वहाँ से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान को शामिल करते हुये बस स्टेशन रोड़ पर सोहन माली के मकान तक वहाँ से बीदासर रोड़ पर पश्चिम दिशा की तरफ चलकर दक्षिणी दिशा के मकान गांधी सर्किल को शामिल करते हुये रा.उ.मा.वि. के मुख्य द्वार तक, तथा इसके सामने उत्तरी दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान मोहन सुथार व महावीर प्रसाद खटीक एवं पटवार घर चलते हुये गडू जाटणी को शामिल करते हुये शिव सोनी के नोहरे तक, वहाँ से पश्चिमी तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों को शामिल करते हुये आदर्श शिशु वाटिका तक।
05	उत्तर-पश्चिमी सीमा भागीरथ नाई के नोहरे से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूरब दिशा के मकान को शामिल करते हुये जनकल्याण रा.बा.उ.मा.वि. व स्टेडियम को सम्मिलित करते हुये बीदासर रोड़ तक, वहाँ से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये पश्चिमी दिशा के मकान चम्पालाल सोनी के मकान तक, वहाँ से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये रूप जी दर्जी के मकान को शामिल करते हुये लुनकरण पेड़ीवाल के मकान तक, वहाँ से पश्चिम की तरफ टर्न लेते हुये उत्तर की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान हुलासचन्द पेड़ीवाल, तखतमल सोनी के मकान तक, वहाँ से पश्चिमी में मुड़कर बाजार चौपड़ा होते हुये सीधी पोल, रा.प्रा. गर्ल्स विद्यालय को सम्मिलित करते हुये वापिस भागीरथ नाई के नोहरे तक।
06	पश्चिमी सीमा मेघवाल गोगामेडी से पश्चिम की तरफ चलते हुये दक्षिण के तरफ के मकानों को शामिल करते हुये रामदेव नाई से आगे चलते हुये मोहन कड़वासरा तक, वहाँ से दक्षिण की तरफ चलकर पूर्व की तरफ के मकान चैनरूप गौड़ नाई, मूलजी नाई, आसाराम जाट, भूराराम सुथार से पूर्व में टर्न लेकर दक्षिण की तरफ चलते हुये पुरानी नगरपालिका तक, वहाँ से पूर्व में चलकर ओमप्रकाश नाई, रैवतमल नाहटा, टाऊन क्लब होते हुये वाचनालय तक, वहाँ से उत्तर में तारदास स्वामी की दुकान को सम्मिलित करते हुये उत्तर की तरफ चलते हुये पश्चिम की तरफ के मकान भोमसिंह दुधोडिया को शामिल कर चांदमल चोरडिया के नोहरे तक, वहाँ से पश्चिम में चलकर मेघवाल गोगामेडी तक।
07	पश्चिमी सीमा रतनगढ़ रोड़ पर स्थित दलीप ढाढी के मकान से दक्षिण में चलकर रामू डेला तक, वहाँ से पूर्व की तरफ चलकर हरिप्रसाद भाटी जीतेन्द्र कठोटिया, बालाजी मंदिर होते हुये महेन्द्र कामड़ के मकान तक, तथा वहाँ से बछराज चोरडिया के नोहरे को शामिल करते हुये देव जी बैद के नोहरे तक, वहाँ से उत्तर की तरफ चल कर पश्चिम के मकानों को शामिल करते हुये सैन मंदिर, रतनगढ़ रोड़ पर स्थित रावतारम मेघवाल के घर तक, वहाँ से पश्चिम की ओर चलकर धनदास कामड़ को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर स्थित दलीप ढाढी के मकान तक ।

08	<p>चौपडा बाजार स्थित फतेहचन्द सोनी के मकान दुकान व बाजार चौपडा को सम्मिलित करते हुये पूर्व में चलकर उत्तर दिशा के मकान गोवर्धन मुंदड़ा, सुमेरमल मालू, पूर्णमल तापड़िया से पेड़ीवाल धर्मशाला होते हुये जीवण जी खाती की दुकान तक, तथा वहां से उत्तर दिशा की तरफ मुड़ते हुये पश्चिमी दिशा के मकान अणतमल जाजू भवंरलाल ओझा होते हुये साईं मन्दिर से उत्तर की तरफ चलते हुये माहेश्वरी भवन को सम्मिलित करते हुये रोड क्रोस कर नथमल नाई के मकान व हरि लाहोटी के नोहरे तक, वहां से पश्चिम की तरफ मुड़ कर रोड क्रोस कर सामने की ओर स्थित मदन नाई से पश्चिम की तरफ चल कर बाल जी सोनी तथा वहां से उत्तर की तरफ रावत जी भाटी के नोहरे को शामिल कर उत्तर की ओर चलते हुये पश्चिम की तरफ के मकानों की शामिल करते हुये विकास घोटड़ के मकान तक, वहां से रतनगढ़ रोड़ पर पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकान व दुकान को लेते हुये बैदों के नोहरे तक वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये भंवरलाल कांटीवाल, जेठमल भंसाली के मकान व नोहरे तक, वहां से पश्चिमी साईड चलते हुये दक्षिणी तरफ के मकानों को शामिल करते हुये मोहनलाल दुधोड़िया के नोहरे तक, वहाँ से दक्षिण की ओर चलकर पूर्व दिशा के मकान पूनमचंद बोथरा, झूमरमल भंसाली को शामिल करते हुये फतेहचन्द सोनी के मकान तक ।</p>
09	<p>पश्चिमी सीमा घीसूलाल लखोटिया के मकान को लेते हुये दक्षिण में चलकर पूर्व दिशा के मकानों पेमाराम तापड़िया आदि को शामिल कर यहाँ से पूर्व की तरफ चलकर संतोष कुमार तापड़िया, नोहरा रामानन्द पेड़ीवाल को शामिल कर एस.बी.आई. बैंक को शामिल कर दक्षिण की तरफ चलते हुये पूर्व की तरफ के मकानों चाँद खां इलाही, बाबू खां इलाही आदि को शामिल करते हुये स्टेशन रोड तक, वहाँ से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उतर दिशा के मकान ओमप्रकाश प्रजापत व नानूराम सुरेका को लेते हुये असगर मीट की दुकान तक, वहां से उतर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान शंकर हलवाई को लेते हुये मैन बाजार रोड़ पर रामेश्वर तापड़िया की दुकान तक, तथा वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के तरफ के मकानों को लेते हुये घीसूलाल लखोटिया के मकान तक।</p>
10	<p>रेल्वे स्टेशन रोड़ पर लालखां लखारा के मकान से दक्षिणी तरफ चलते हुये पूर्व की तरफ के मकानों को सम्मिलित करते हुये पूर्व में छाप-देवाणी-रामपुर सड़क से पश्चिमी दिशा की तरफ की नगरपालिका के आबादी व गैर आबादी क्षेत्र को शामिल कर रामपुर-देवाणी मार्ग पर करवों की दुकान तथा वहां से स्टेशन रोड़ क्रोस कर कॉर्नर पर स्थित चौधरी मेडीकल स्टोर से उतरी तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा में स्थित ब्राह्मण हितकारिणी से आगे मकानों, दुकानों को शामिल करते हुये मुमताज धोबी तक, वहाँ से पश्चिम में चलकर दक्षिण दिशा के मकानों व हनुमानजी मन्दिर को शामिल करते हुये श्रद्धानन्द नाई के मकान व दुकान तक, वहां से दक्षिणी दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान डालमचन्द सोनी आदि को शामिल कर रजाक जी तेली के मकान तक वहां से स्टेशन रोड़ क्रोस कर पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये लालजी लखारा के मकान तक।</p>

11	<p>पश्चिमी सीमा चांदजी दर्जी के घर से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान व जन हितकारिणी विद्यालय को सम्मिलित करते हुये घीसुलाल जी लखोटिया व किसनलाल जी जाजू के मकान से लाहोटी धर्मशाला तक, वहां से पूरब दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकान व दुकानों को शामिल करते हुये नारायण प्रसाद बोरायड़ा की दुकान तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों अरूणा बाई नर्स चम्पा देवी रतावा, रतावा कुटीर आदि को लेते हुये चन्दनमल सारड़ा, गोपाल जाजू, भंवरलाल जाजू के नोहरे, महावीर आटा चक्की होते हुये लालचन्द बिहानी के मकान तक वहां से पश्चिम दिशा की तरफ मुड़कर दक्षिण दिशा के मकानों को लेते हुये मोहन दरोगा के मकान तक, वहां से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों को लेते हुये कृष्ण सदन होते हुये चांदजी दर्जी के मकान तक।</p>
12	<p>पश्चिमी सीमा रतनगढ़ रोड पर स्थित भीवजी खटीक के मकान से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान कासम कुंजड़ा के मकान को लेते हुये शंकर जी मुन्दड़ा के नोहरे तक वहां पूरब दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये श्री किशन मुन्दड़ा के मकान को शामिल कर रोड क्रॉस करते हुये सामने स्थित बेदों के नोहरे को शामिल कर पूर्व दिशा में चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकान खिंवजी खाती, हरि लाहोटी के मकान होते हुये धनराज बंडवाला के मकान तक वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकान, मरूधर स्कूल होते हुये रतनगढ़ रोड पर जीतमल की दुकान तक तथा वहां से पश्चिमी तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों बाबूलाल जांगीड़, लक्ष्मी मार्बल होते हुये डॉ. गिरधारी के मकान से रतनगढ़ रोड पर स्थित भीवजी खटीक के मकान तक।</p>
13	<p>रतनगढ़ रोड पर भंवरसिंह की आटा चक्की से दक्षिण में चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान नारायण नाई तक, वहाँ से आगे चलते हुये झूमरमल बंडवाला को शामिल करते हुये पवन बंग (जीवण बंग) के घर तक, वहां से पूर्व में चलते हुए उत्तर दिशा के मकान व मुन्दड़ा गेस्ट हाऊस आदि को शामिल करते हुए पत्रकार अरविन्द पारीक के घर तक, वहां से उत्तर में चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान नत्थू महाराज व राजकुमार प्रजापत आदि के घर को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड पर पहुंच कर वहाँ से पश्चिम दिशा में चलकर दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये भंवरसिंह की आटा चक्की तक।</p>
14	<p>जीवण जी सुथार के मकान से दक्षिणी तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकान पांचीराम जाजू के मकान को लेते हुये, चैनरूप दायमा के मकान को शामिल करते हुये श्रीभगवान बिहाणी के मकान तक वहां से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकान को लेते हुये कमल किशोर जोशी व वृद्धिचन्द करवा के मकान को लेते हुये पूनमचन्द सुंठवाल के नोहरे तक, वहां से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों को शामिल करते हुये गंगाराम के मकान व पानी की टंकी को शामिल करते हुये रावों के हनुमान मन्दिर व श्याम मन्दिर को शामिल करते हुये प्रहलाद पारीक व निर्मल शर्मा के नोहरे तक, वहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के मकानों सुरेश मास्टर, श्रवण प्रजापत को शामिल करते हुये जीवण जी सुथार के मकान तक।</p>

15	<p>अशोक स्तम्भ के पास सुराणों के नोहरे से दक्षिणी ओर सरकारी अस्पताल तक, वहाँ से स्टेशन रोड़ क्रॉस करते हुये लिछमा दर्जी व सीताराम प्रजापत को शामिल करते हुये रामपुर देवाणी सड़क से पूर्व की तरफ स्थित शमशान घाट को शामिल करते हुये सम्पूर्ण दक्षिण-पूर्वी सीमा स्थित अम्बेडकर छात्रावास, आपणी योजना ऑफिस आदि को शामिल करते हुये उत्तर की तरफ चलते हुये स्टेशन रोड़ तक व स्टेशन रोड़ से पश्चिमी तरफ चलते हुये दक्षिणी तरफ के समस्त मकानों को शामिल करते हुये चारण शमशान तक वहाँ से स्टेशन रोड़ क्रॉस कर उतर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकान ईशाक सुथरा व विद्यालय नं. 05 तथा केसरीसिंह राजपूत के मकान से राजपूत गुवाड़ को शामिल करते हुये पश्चिम की ओर गोपाल खाती, विशाल सिंह, गुमानाराम जाट, बाबू ढोली के मकान को शामिल कर पश्चिम में हरिप्रसाद जोशी के मकान को शामिल कर सुराणों के नोहरे तक।</p>
16	<p>स्टेशन रोड़ पर भंवर लाल रैगर के घर से उत्तर की तरफ चलकर पूर्व दिशा के समस्त मकानों को लेते हुये रामूराम रैगर के मकान तक, वहाँ से पश्चिम को मुड़कर लक्ष्मी नारायण बंजारा के मकान को शामिल करते हुये उत्तर की तरफ मुड़कर पूर्व दिशा के मकान जोधाराम बंजारा आदि को शामिल करते हुये अली लीलगर के नोहरे तक, यहाँ से पूर्व की तरफ चलकर दक्षिण के प्लाटो इंद्रा कँवर, नथमल गोदारा को शामिल करते हुये आगे सीधे चलते हुये आबादी क्षेत्र को शामिल करते हुये दक्षिणी तरफ स्टेशन रोड़ पर जयचंद सुराणा के नोहरे तक, यहाँ से स्टेशन रोड़ पर पश्चिमी तरफ चलते हुये भंवरलाल रैगर के मकान तक।</p>
17	<p>स्टेशन रोड़ पर स्थित गीरधारी लाल रैगर के मकान से उत्तर की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों को शामिल करते हुये भीवाराम बंजारा के मकान तक, यहाँ से पश्चिम की तरफ मुड़कर बिरमाराम बंजारा के मकान को शामिल कर उत्तर की तरफ मुड़कर पश्चिम दिशा के मकान गिरधारी बंजारा आदि को शामिल करते हुये सलाउदीन काज़ी के मकान तक, वहाँ से पश्चिम की तरफ चलकर दक्षिण के मकानों जाफर काज़ी, भंवर तेली, मदनलाल बंजारा आदि को शामिल करते हुये जैसाराम गुलेरिया के मकान तक, यहाँ से दक्षिण-पश्चिम की तरफ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों को शामिल करते हुये हाथी खेजडा तक, यहाँ से पश्चिम की तरफ चलकर पूर्व दिशा के मकानों रामेश्वर बेनीवाल आदि को शामिल करते हुये स्टेशन रोड़ पर स्थित दोलाराम बावरी के मकान तक, यहाँ से पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये स्टेशन रोड़ पर स्थित गिरधारी लाल रैगर के मकान तक।</p>
18	<p>रतनगढ रोड़ पर स्थित सारडा की प्याऊ से दक्षिण की तरफ गणेश मंदिर रोड़ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों को शामिल करते हुये सुमन जांगिड के मकान तक, यहाँ से पश्चिम की तरफ टर्न लेकर परमेश्वर जांगिड के नोहरे को शामिल कर यहाँ से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों मनोज शर्मा, श्याम बाबू पारीक तथा आगे दक्षिण की तरफ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों को शामिल करते हुये पूनम टेंट हाउस, रामजी लाल पारीक होते हुये भरत सिंह के मकान तक, यहाँ से पूर्व की तरफ चलते हुये</p>

	<p>उत्तर दिशा के मकानों करणी माता मंदिर होते हुये नन्द जी निर्वाण के मकान तक, यहाँ से उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये भंवरलाल मेघवाल, हुलासमल मेघवाल आदि के मकान तक तथा वहाँ से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूरब दिशा के मकानों को शामिल करते हुये बालाराम सुथार तक, तथा वहाँ से पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये शिवशंकर अठवाल तक, तथा वहाँ से पुनः उत्तर की ओर चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों को शामिल करते हुये राजूराम नायक टैंट हाऊस तक तथा वहाँ से पूरब की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के समस्त मकान व प्लॉटों को शामिल करते हुये मास्टर नेमीचन्द बेनीवाल व रामनगर को शामिल करते हुये पूर्व दिशा की तरफ चलते हुये आगे नगरपालिका की उत्तर दिशा की आबादी को शामिल कर उत्तर की तरफ चलते हुये रतनगढ़ रोड़ तक, यहाँ से पश्चिम की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा के सभी मकानों को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर स्थित सारडा की प्याऊ तक।</p>
19	<p>रा. प्राथमिक वि. न. 04 से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों मदनलाल शर्मा, बेग दास स्वामी, ओमदास स्वामी के मकान तक, यहाँ से पश्चिम की तरफ चलकर दक्षिण दिशा के मकानों बाबूलाल पारीक आदि को शामिल करते हुये गंगाधर बिहाणी के नोहरे तक, यहाँ से दक्षिण की तरफ चलकर पूर्व दिशा के मकानों बजरंगलाल सुथार तथा आगे सागरमल जोशी, श्याम सुन्दर जोशी के मकान होते हुये तोलाराम सुंठवाल व आगे हनुमानमल रतावा के घर तक, यहाँ से पूर्व की तरफ चलकर उत्तर के मकानों को शामिल कर रा. प्राथमिक वि. न. 04 तक।</p>
20	<p>रतनगढ़ रोड़ पर स्थित सारडों की प्याऊ से गणेश मन्दिर रोड़ की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों को सम्मिलित करते हुये गोविन्द पारीक के मकान तक, यहाँ से पश्चिमी दिशा की तरफ मुड़ते हुये उत्तर दिशा के मकान रामप्रसाद शर्मा के मकान को लेते हुये मांगीलाल जी मुन्दड़ा के नोहरे तक, वहाँ से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान तोलाराम प्रजापत, टीकुदास व रूघ जी प्रजापत के मकान को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ तक, वहाँ से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल कर सारडों की प्याऊ तक।</p>
21	<p>रतनगढ़ रोड़ पर कन्हैयालाल चांवरिया का मकान से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों सुशील हरिजन व बुधाराम मेरड़ा को शामिल करते हुये छोटूराम पुत्र कुशलाराम कांटीवाल के मकान तक, वहाँ से पूर्व दिशा में प्रभुराम चौहान, मन्नालाल सोनी, परमेश्वर लाल आदि से बोथियावास रोड़ एवं पूर्व दिशा की आबादी क्षेत्र को शामिल करते हुये दक्षिण में मदन सारण के नोहरे तक, वहाँ से पश्चिम दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा की तरफ रोड़ पर स्थित खिवंज माता मन्दिर तथा साईं बाबा मन्दिर, रूपाराम जाट, बिजली पावर हाऊस आदि को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर कन्हैयालाल चांवरिया के मकान तक।</p>
	<p>रतनगढ़ रोड़ पर कन्हैयालाल ठेकेदार के मकान से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुये उत्तर दिशा के मकानों को लेते हुये हिम्मताराम की दुकान, नेमीचन्द सुनगत के पुराने मकान</p>

22	<p>तक, वहाँ से उत्तर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिम दिशा के मकानों नथमल हरिजन, बनवारी लाल नायक को शामिल करते हुये भागीरथ चिनिया तक वहाँ से पश्चिम की तरफ चलते हुये दक्षिण दिशा की नई बस्ती को शामिल करते हुये ओमप्रकाश चौहान के घर तक तथा यहाँ से दक्षिण की तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के मकान व होली धोरा अम्बेडकर भवन तथा आगे खिराजाराम कांटीवाल के मकान को शामिल करते हुये कन्हैयालाल ठेकेदार के मकान तक।</p>
23	<p>रतनगढ़ रोड़ पर एडवोकेट कन्हैयालाल मेघवाल के घर से उतर दिशा की तरफ चलते हुये पश्चिमी दिशा के मकानों के शामिल करते हुये जीवण कांटीवाल को लेते हुये नवीन स्कूल तक, तथा वहाँ से पश्चिमी तरफ मुड़कर उतर व दक्षिणी दिशा के मकानों को शामिल करते हुये जैतासर मार्ग पर परमानन्द सिद्ध के घर तक, तथा वहाँ से दक्षिणी तरफ जैतासर मार्ग पर चलते हुये पूर्व दिशा के मकानों रामलाल प्रजापत, देवाराम मास्टर को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर नारायण कांटीवाल के घर तक, यहाँ से पूर्व की तरफ चल कर एडवोकेट कन्हैयालाल मेघवाल के घर तक।</p>
24	<p>रतनगढ़ रोड़ पर लुणाराम गोखी के मकान से पूर्वी तरफ चलते हुये उतर दिशा के मकानों को शामिल करते हुये बाबरिया नोहरे तक, वहाँ से राजलदेसर रोड़ की तरफ चलकर पश्चिम दिशा के मकानों नानूराम मास्टर, नारायण डूकिया व रामदेवजी मन्दिर को शामिल करते हुये छोटूदान चारण तक तथा आगे पश्चिम दिशा में उपाधियां कच्चा रास्ता की तरफ मुड़कर जानाराम खारड़िया के मकान तक, तथा वहाँ से पश्चिम में शंकर गोखी के मकान को लेते हुये दक्षिणी दिशा के मकानों सुल्तान दान चारण, कन्हैयालाल कडेला व पश्चिम की तरफ के मकानों गोपाल जाट से दक्षिणी तरफ चलते हुये रामेश्वर चिनिया के मकान तक, वहाँ से पूर्व की तरफ मुड़कर पप्पू सिहाग के मकान को शामिल करते हुये दक्षिण में मुड़कर पूर्व की तरफ के मकानों को शामिल करते हुये प्रभू सिहाग तक, वहाँ से पूर्व की ओर चलते हुये उत्तर के मकान मानाराम कांटीवाल को शामिल करते हुये चुन्नीलाल सिपाही के घर तक तथा वहाँ से दक्षिण दिशा की तरफ चलते हुये पूर्वी दिशा के मकान बेगाराम भाटिया, मानाराम चौपड़ा आदि को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर लुणाराम गोखी तक।</p>
25	<p>रतनगढ़ रोड़ पर हीरालाल गोखी पूर्व पार्श्व के मकान से उत्तर की तरफ चलते हुये पूर्वी तरफ के पशुपति नाथ मन्दिर को शामिल कर आगे पश्चिम से उत्तर की तरफ टर्न लेते हुये नोपाराम सिहाग व भंवरलाल की दुकान व मकानों को शामिल करते हुये आगे पूर्व की तरफ के मकानों को शामिल करते हुये चिमनाराम कुम्हार के मकान तक, तथा वहाँ से पूर्वी तरफ मुड़कर शुभकरण ढाढ़ी के मकान से नानूराम सिहाग के मकान तक, वहाँ से उत्तर की तरफ मुड़कर भागीरथ सिहाग के घर तक, वहाँ से पूर्व की तरफ मुड़कर सीताराम गोखी के मकान को शामिल करते हुये जीवन राम चौहान के मकान व दूकान तक, वहाँ से दक्षिण की तरफ मुड़कर पश्चिम की तरफ के मकानों ओमाराम चौहान, मानाराम गोखी को शामिल करते हुये मोटाराम नायक से रतनगढ़ रोड़ पर स्थित भूरजी</p>

के कारखाने तक, वहाँ से पश्चिम की तरफ चलते हुये उतर दिशा के मकान अली मोहम्मद मणिहार, मंगलदास कामड़ को शामिल करते हुये रतनगढ़ रोड़ पर हीरालाल गोखी पूर्व पार्शद के मकान तक
--

अधिशायी अधिकारी
नगर पालिका छपर

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।